कृषि विज्ञान केन्द्र कौशाम्बी

गरीब कल्याण रोजगार अभियान अंतर्गत, कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में तीन दिवसीय कुक्कुट पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम

गरीब कल्याण रोजगार अभियान अंतर्गत, कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में तीन दिवसीय कुक्कुट पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम, जनपद के 35 प्रवासी कामगारों के साथ माननीय सांसद प्रतिनिधि श्री नरेंद्र सिंह पटेल जिला पंचायत सदस्य की अध्यक्षता में शुरू हुआ | अपने उदबोधन में उन्होंने कहा कि इस विषम परिस्थितियों में, वैश्विक महामारी से बचाव के सभी नियमों का पालन करना अति आवश्यक है | कामगारों के लिए रोजगार या आत्मनिर्भरता हेतु सरकार द्वारा चलाया गया यह अभियान मील का पत्थर साबित होगा | इस प्रशिक्षण में व्यवसाय से संबंधित तकनीकों को सीख कर वैज्ञानिकों के साथ मिलकर कार्य करें और रोजगार को स्थापित कर आय सृजन का अवसर प्राप्त करें| इसके पूर्व केंद्र के प्रमुख डॉ अजय कुमार ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए इस अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दी | द्वितीय दिवस प्रशिक्षण के दौरान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ आशीष श्रीवास्तव ने कुक्कुट पालन की तकनीकी जानकारी प्रतिभागियों को दी | प्रशिक्षणार्थी कामगारों से कहा कि मुर्गी पालन एक ऐसा व्यवसाय है जो छोटे व बड़े स्तर पर अल्प अवधि में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में भी आसानी से किया जा सकता है| जिससे अच्छी आमदनी हो सकती है व स्वरोजगार स्थापित किया जा सकता है | इस व्यवसाय में 2 से 3 माह में आमदनी मिलने लगती है इससे महिला पुरुष कोई भी आसानी से कर सकता है | तकनीकी बातों में उचित आवास प्रबंधन आहार व्यवस्था तथा मुर्गियों की जाति नस्ल के बारे में और रखरखाव के बारे में विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की| मुर्गियों में लगने वाले मौसमी रोगों को जैसे रानीखेत, गमबोरो, काक्सी, फ्लू आदि से बचाव का तरीका व टीकाकरण के बारे में भी बताया | बरसात, गर्मी व ठंडक में गृह प्रबंधन पर विशेष जानकारी दी, उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि यदि वे कुक्कुट पालन करते हैं और व्यवस्थित या तकनीकी रूप को अपनाते हैं तो प्रति मुर्गी या मुर्गे से ₹ 15 से 35 तक का शुद्ध लाभ प्राप्त होता है| इस प्रकार औसतन 1000 मुर्गी या मुर्गा पालन करने वाले पालक दो से तीन माह के अंतराल पर ₹ 15000 से 30000 आय प्राप्त कर सकते हैं | प्रवासी कामगार जनपद में विभिन्न विभागों व बैंकों द्वारा चलाई जा रही इस अभियान के तहत योजनाओं से जुड़े और उनका लाभ लेकर अपने ही गांव में रहकर स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बने और अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारें

कृषि विज्ञान केन्द्र, कौशाम्बी
रोजगार
अभियान